

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 2]

नई बिल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1981/पोष 27, 1902 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1981/PAUSA 27, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एला जा सके Separate paging is given to this Port in order that it may be filed as a separate compliation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) Part II —Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केम्ब्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गर आदेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग्

आवेश

नई दिल्ली, 30 अक्तुबर, 1980

कां आ 237 :—-यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए स.धारण निर्वाचन के लिए 35-पटना निर्वाचन केव से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जयन्ती यादव, कुम्हरार, पटना, बिहार लोक प्रतिनिधित्र प्रधिनियम. 1951 तथा लड्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीकेत प्रपने निर्वाचन क्यमों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रमफल रहे हैं।

ग्रीर, यत', उक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्यक् सूचना विसे जाने पर भी अपना उस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रष्टवा स्पष्टीकरण नहीं विसा है, निविधन श्रायोग का यह भी श्रमाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यासौचित्त नहीं है,

अतः अस, उनत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्धा-भन आयोग एनद्वारा उक्त श्री जयन्ती यादव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान गभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस आदेश की नारीख में तीन वर्ष की कालायधि के लिए निर्हित घोषित करना है।

[मं॰ विहार-मो॰ मं॰ /35/80 (4)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ro <u>allegio del la compresa collegio</u>r, electrosis, el germante, esta collegio de la collegio collegio del collegio del collegio del

ORDERS

New Delhi, the 30th October, 1980

S.O. 237.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jayanti Yadav, Kumahrar, Patna, Bihar, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 35-Patna constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jayanti Yadav to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/35/80(4)]

का० आ० 238 र यनः, निर्याचन प्राप्तीग का समाधान हा गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 35-पटना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीद-वार श्री राजी रंजन, पंच, जमाल रोड़, पटना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्श्रीन बर्नाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षिन अपने निर्वाचन अस्यों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर, यतः, ज़क्त जम्मीदवार ने, उसे सम्यक् मूचना दिये जाने पर पर भी ग्रपनी उस ग्रसफलना के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पप्तीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्टिला नहीं है,

ग्रतः, ग्रज्ञ, जनत श्रिधिनयम की धारो 10-क के श्रनुसरण में निर्वा-चन आयोग एसद्द्वारा जनत श्री राजी रंजन को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथषा विधान परिसद् के सबस्य जुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहन घोषित करना है।

[मं० बिहार-लो० मं०/35/80 (5)]

S.O. 238.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raji Ranjan, Panch, Jamal Road, Patna, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980, from 35-Patna constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raji Rajian to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/35/80(5)]

कां आ० 239: —यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 35-पटना निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राय राजेन्द्र, ग्राम हनुमान गंज, पो० वाउवपुर, जिला पटना, लोक प्रतिनिधिस्व अधिनियम, 1951 नया तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोधित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं।

शौर, यतः, जक्त उम्मीदबार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी भ्रपनी उस भ्रमफलना के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निवांचन भ्रायोग का यह भी भी समाधान हो गया है कि उसके पाम इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है

ग्रतः अव, उक्त प्रक्षितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्याचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री राय राजेन्द्र को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य कुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्टित घोषित करता है।

[मं**॰ बिहार-लो० स०/**35/80 (6)]

S.O. 239.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rai Rajendra Village Hanumanganj P.O. Daudpur, District Patna, a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980, from 35-Patna constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rai Rajendra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/35/80(6)]

का० आ० 240.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए. 35-पटना उम्मीदवार श्री विजय कुमार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले गुरुद्रवारा रोड, पो० दीघा पटना-12, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदिशार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी उस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

श्रत. श्रव, उक्त श्रिश्चित्यम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्दवारा उक्त श्री विजय कुमार को संसद् के किसी भी संदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश को तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत पोषित करना है।

[मं० विहार-सो० म० /35/80(7)]

S.O. 240.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijay Kumar, Gurudwara Road, Digha, Denapur, Patna-12 a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980, from 35-Patna constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijay Kumur to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/35/80'7)]

नर्ड दिल्ली, 18 विसम्बर, 1980

का० आ० 241.—यतः, निर्वाचन श्रयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 31-थोजबाल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लढ़ने वाले उम्मीवार श्री थान्गामा जाना थोजबाल लीलंग येम टेयानजाम लीकाई पोस्ट, धार्फिम थोजबाल, मनीपुर लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; श्रतः श्रव, उक्त श्रांधनियम की धारा 10-क के अनुमरण में नियांचन श्रायोग एतद्वारा उक्त थो थानाजाम जाका ससद् के किसी भी संदन या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने शाने श्रीर होने के लिए इस श्रावंश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहित घोषिण करता है।

[स॰ 76/मनीपुर-वि॰ स॰ /31/80]

New Delhi, the 18th December, 1980

S.O. 241.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thanjam Jatra, Thoubal Leisangthem, Tayonjam Leikai, P.O. Thoubal, Manipur, a contesting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 31-Thoubal, assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951,

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

and the Rules made thereunder;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thangjam Jatra, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/31/80]

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1980

कार आ० 242:— यतः, निर्वाचन श्रायीय का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 11-मागालवान्य निर्वाचन केत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीयवार श्री शिजागुरुभयुम मनीहार गर्मी, केइसमपान श्रीकवान लीकाई, मनीपुर लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नव्धीन वानाए गए नियमों द्वारा श्रूपेक्षित ग्रापने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा शिखल करने में श्रमकल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, उस ग्रमफलना के लिए कोई कारण श्रथवा रपष्टीकरण नही विया है श्रीर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रव, उनतं श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुगरण में निर्वाचन श्रायोग एसक्द्रयारा उक्त श्री णिजागुरमधुम मनीहार णर्मा को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस आदेश का तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित बोपित करता है।

[सं 76/मर्नापुर-वि०स०/11/80]

New Delhi, the 20th December, 1980

S.O. 242.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shijagurumayum Manihar Sharma, Kaishampat Thokchom Leikai, Manipur, a contesting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 11-Sagolband assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shijagurumayum Manihar Sharma, to be disqualified for

being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/11/80]

का० आ० 243.—यतः, निर्वाचन भाषांग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 3-खुराई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री भार० के० थाम्बलमाना, साओर, पुथेम लीकाई, मनीपुर क्षोक प्रतिनिधिस्त प्रक्षिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रमोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रमकन रहे हैं।

थ्रीर यतः, उक्त उम्मीवयार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

प्रत. अव, उपन प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुखरण में निर्वाचन प्रायोग एनद्वार। उनन श्री म्रार० कें० याम्बलसाना को समझ् के किसी। भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेश को नारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निरहित घाषित करता है।

[सं 76/मनीगुर-विवसः/3/80(1)]

S.O. 243.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. K. Thambalsana, Sajor Puthem Leikai, Khurai, Manipur, a conteting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 3-Khurai, assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said condidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. K. Thambalsana, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/3/80:1)]

का० आ० 244 :— यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 3- खुराई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हिजाम जुगेणवर खुराई कोनसम लीकाई मनीपुर लोक प्रतिनिधित, श्रीधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपर्न निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिन करने में प्रमफत रहे है।

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, गम्यक् मुखना दिए जाने पर भी इस श्रमफलना के लिए कोई कारण, श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्दाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन श्रायोग एत्व्द्वारा उक्त श्री हिजाम अुगेशवर को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भ्रायेश की मारीख से तीन वर्ष की कामावधि के लिए निर्माहित श्रीपित करना है।

[सं० 76/मनीपुर-वि० सं० /3/80(2)]

S.O. 244.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hijam Jugeshwar, Khurai, Konsam leikai, Manipur, a contesting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 3-Khurai, Assembly Constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

18

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hijam Jugeshwar, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/3/80(2)]

का० आ० 245—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 3-खुराई निर्वाचन क्षेप्त में खुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री निगमबाम हबोहल, खुराई खंगगगग्राम लोकाई मनीपुर लोक प्रतिनिधित्य ग्राधिनयम, 1951 तथा तद्धीन यनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित ग्राने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसक्तल रहे हैं।

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ते, सम्यक् सूचना विष, प्राने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोखिस्य नहीं है,

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुभरण में निर्वाचन आयोग एनद्द्वारा उक्त श्री नंगमबास देबोहल को संसद के किसी भी संदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भ्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हाहन घोषिन करता है।

[मं० 76 /मनीपुर-बि॰ म० /3/80(3)]

S.O. 245.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ningembam Ibohal, Khurai Chingangbam Leikai, Manipur, a contesting candidate for general election to the Manipur, Legislative Assembly from 3-Khurai, Assembly Constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ningembam Ibohal, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-I A/3/80(3)]

का० आ० 246—यतः, नियंत्रिन भागोग का ममाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विभान सभा के लिए माधारण नियंत्रिन के लिए 9-योगमेर्डबांद नियंत्रिन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदयार श्री गागोल सम इन्द्रामनी, यांगमेर्डबांद, पोलेम लीकाई मनीपुर लोग पनि-निधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा निर्मान बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित भ्राप्ते निर्वाचन व्ययों वा कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रमुफ्त रहे हैं ;

श्रीर यतः, उनत उम्मोदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-त के श्रनुगरण में निर्वाचन श्रायोग एमडद्वारा उक्त श्री सागोलराम इन्द्रामनी को मंगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथया विधान परिषद् के सबस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रावेग की तारीख़ में सीन वर्ष की कालावधि के लिए निराहित बोपिन करना है।

[सं० 76/मनीपुर-वि० म०/१/४०]

S.O. 246.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sagolsam Indramani, Thangmeiband Polem Leikai, Manipur a contesting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 9-Thangmeiband assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sagolsem Indramani, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/9/80]

वर्ष दिल्ली, 32 दिसम्बर, 1980

का० आ० 247—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर, विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 20- लांगणावल निर्वाचन केव में चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार थी चुमान इवोटोन लालभवंग इम्फाल मनीपुर लोक प्रतिनिधिस्व श्रीधनियम, 1951 नथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षत अपने निर्वाचन क्यायों का कोई भी केवा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

श्रीर यतः, उक्त उम्मीविवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथव। स्पट्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलना के लिए कोई गर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

श्रतः श्रवः, उक्त श्रवितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री खुमान इंडोटोन को मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा निधान परिपद् के सदस्य चुने शाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की नारीख़ से तीन वर्ष की कालाबधि के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[स॰ ७६/मनीपुर-वि॰ स०/ २०/ ८० (1)]

New Delhi, the 22nd December, 1980

S.O. 247.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khuman Iboton, Khwai Lalambung Makhung, Imphal, Manipur, a contesting caudidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 20-Langthabal, assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khuman Iboton, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/20/80(1)]

कार आर 248.—यनः, निर्वाचन प्रायांग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए मनीपुर विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 20-लोगयाबल निर्वाचन केल से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्रीह्वाम कुमार सिंह हैरागोईथाम इस्काल (श्रीह्वाम लैकाई) मनीपुर लोक प्रतिनिश्चित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्षित ध्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में अमकल रहे हैं।

श्रीर यतः, उक्त उम्मादिवार ने, सम्यक सुसना विए जान पर भी, इस धमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोशित्य नहीं है,

श्रत श्रव, उक्त ग्रिशित्यम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री श्रहिबाम कुमार गिह को संसद के किसी भी सदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भावेण की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहित घोषित करता है।

[सं० 76/मनीपुर-वि० स०/20/80(2)]

S.O. 248.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Aheibam Kumar Singh, Heirangoithong, Imphal (Aheibam Leikai) Manipur, a contesting candidate for general election to the Manipur Legislative Assembly from 20-Langthabal, assembly constituency, held in January, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrt Aheibam Kumar Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/MR-LA/20/80(2)]

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1980

का० अ०० 249.—यतः, निर्वाचन श्रामोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 101-केसिगा निर्याचन केत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीविवार श्री गोपीनाय बुधिया, प्राम भाटेंग, पी० प्रा० नरला रोड़, जिला कालाहांडी उद्दीमा. लोक प्रिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों बारा धपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

धौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्प्रक सूचना दिये जान पर भी अपनी इस असफलमा के लिए कोई कारण अयवा स्पटीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजिस्य नहीं है,

ग्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निश्विक्त भाषीन एनस्हारा उक्त श्री गोपीनाथ दुधिया को संसद के किसी भी सदत के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथन। विधान परिषष्ट् के सदस्य क्ते आने और होने के लिए इस आदेश की तरीख से नीन वर्ष की काला-श्रिध के लिए निरर्हित घोषिन करना है।

भावेश से, संशीण चन्द्र जैन, भवर सचिव भारत निर्वाचन श्रायोग

New Delhi, the 24th December, 1980

S.O. 249.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopinath Budba, vill. Bhatang, P.O. Narla Road, District Kalahandi, a contesting candidate for general election

to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 101-Kesinga constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopinath Budhia to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/101/80(2)]

By Order, S. C. JAIN, Under Sely.

to the Flection Commission of India.

आवेश

नर्द दिल्ली, 15 विषम्बर, 1980

का० भा० 250 — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हा गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए सःधारण निर्वाचन के लिए 58 लुधियाना पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र ने चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री जोगिन्दर पाल गली लालू मल, लुधियाना (गंजाव), लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तश्चीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित श्रयने निर्वाचन व्ययों का काई भी लेखा वाखिल करने में ग्रस्थल रहे हैं;

श्रीर यसः, उक्त उम्मीदवार ने, सस्यक मूचा विष् जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पर्धातन्य नहा दिया है श्रीर निर्वाचन आयोग का सह समाधान हो गया है कि उसके पाम इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्याग्रीजित्य नहीं है,

भतः अब, उनत भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एनद्वारा उक्त श्री जोगिन्दर पाल को मंसद के किमी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा त्रिधान परिषर् के सदस्य चुने जाने और हीने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिश्त बोदित करता है।

[सं० पजाब-वि०स०<u>|</u> 58/80 (32)]

ORDERS

New Delhi, the 15h December, 1980

S.O. 250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Joginder Paul, Street Lallu Mal, Ludhiana (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 58-Ludhiana West constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Joginder Paul to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/58/80(32)]

का० आ० 251.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान मधा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103-कोटकापुरा निर्वाचन केत ते चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नाथा सिह, मुपून श्री जागीर सिह, गांव रामगढ़, पो० श्रा० जैतृ, फरीदकोर, लेंक प्रतिनिधिन्य ,प्रीपित्यम, 1951 तथा नद्धीन उलाए गए नियमो द्वारा अपेकित श्रपने निर्याचन क्या का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है ;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार, ने सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलना के लिए काई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

धनः थ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-त के अनुसरण में निवासन भ्रायोग एतद्वारा उक्त भी नाथा सिह को मनद के किसी भी मंदन के या किसी राज्य की विधान रामा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भावेग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहेत थोफित करता है।

[गं० पंजाब-वि० स०/103/80(33)]

S.O. 251.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Natha Singh, S/o Jagir Singh, Vill. Ramgarh, P.O. Jaitu, Faridkot, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 103-Kotkapura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Natha Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/103/80(33)]

का० आ० 25.2 .—यतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्याचन के लिए 103-कोटकापुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रीतम सिंह, सुगुत्र श्री ठरनाम सिंह, गांव रामगर, पो० प्रा० जैनू, तहसील करीदकोट, लोक प्रतिनिधित्व श्रीधानियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रायेशिन ग्रापने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

श्रीर यत: उनत उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथमा स्पष्टीकरण मही दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पाग इस ग्रगफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रतः भ्रव, उपन श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रीतम सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चृते जाने भ्रीर होने कि लिए इस श्रादेण की नारीख में सीन वर्ष की कानाविध के लिए निर्स्तृत घोषित करता है।

[सं० पजाब-वि०स०/103/80(34)]

S.O. 252.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pritam Singh, S/o Harnam Singh, Vill. Ramgarh, P.O. Jaitu, Faridkot, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 103-Kotkapura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pritam Singh to be disqualified for being chosen as, and for

being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/103/80(34)]

फा॰ आ॰ 253 .— यतः, निर्दाचन ध्रायांग का समाधान हो गया है कि मर्ड, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103-कांटकापुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार थी मखन मिंह सरावान, सूपुत्र श्री कृपाल सिंह, गांव व डाकघर सारवान, नहसील फरीवकांट, लांक प्रतिनिधित्व ध्रिधिनयम, 1951 तथा तब्धीन वनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे श्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्वण्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

यतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुपरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उन्त श्री मखन गिह भगवान को संसद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की निधान सभा श्रथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए एम श्रादेण की नारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निरिहित श्रीपित करता है।

[सं० पजाब वि०स०/103/80 (35)]

S.O. 253.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Makhan Singh Sarawan, S/o Kirpal Singh, Vill. & P.O. Sarawan, Tehsil-Faridkot, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 103-Kotkapura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Makhan Singh Sarawan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/103/80(35)]

कां आ 254 : — यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103-कोटकापुरा निर्वाचन क्षेत्र से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुरदेन सिंह सूपृत्र श्री ताण मिह गांव गुच्मर, डाकघर मरायान, तहसील फरीवकोट, लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेकिन भ्रपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहें हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पय्टीकरण नही विया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रत्र, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुमरण में निर्वाचन ग्रायोग एनव्द्वारा उक्त श्री गुरवेय सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने कि शिए इस ग्रादेण की नारीख से तीन वर्ण की कालावधि के लिए निर्राहन शोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०म०/103/80 (36)]

S.O. 254.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gurdev Singh, S/o Tara Singh, Vill, Gurusar, P.O. Sarwan, Tehsil-Faridkot, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 103-Kotkapura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gurdev Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/103/80(36)]

का० आ० 255 :—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए गाधारण निर्वाचन के लिए 78-ग्रमलोह (ग्र०जा०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री ग्रजमेर सिंह वार्ड नं० 3, ग्रमलोह, लोक प्रतिमिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी. इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण अथवा समटीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्योक्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

श्रमः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री श्रजमेर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दित घोषित करना है।

[सं० पंजाब-वि०म०/78/80/(38)]

S.O. 255.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ajmer Singh, Ward No. 3, Amloh, District Patiala, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 78-Amloh (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ajmer Singh to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/78/80(38)]

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1980

का० था० 256 .— पताः, निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि मई. 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के किए 97-जीरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदयार शी मालकियत सिंह, बस्ती माचियां जीरा, नहमील जीरा, जिला फिरोजपुर (पंजाब) लोक प्रतिनिधिस्व प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षिन प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में यसफल रहे हैं; ग्नीर यतः, उक्त उम्मीदयार ने, सम्प्रक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण प्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाश्रान हो गया है कि उसके पान इस श्रमफलना के लिए कोई भ्राप्ति कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रनः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसार में निर्याचन भायोग एतत् द्वारा उक्त श्री भालकियत मिह को संमद के किसी भी सर्वन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा थिधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने कि लिए इस ग्रादेण की नारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषिन करना है।

[सं० पंजाब-वि०म०/97/80 (40)]
धारेश से
ग्र० कु० चटर्जी, ग्रवर मिवतः
भारत निवीचन आयोग

New Delhi, the 18th December, 1980

S.O. 256.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Malkiat Singh, Basti Machian Zira, Tehsil Zira, District-Ferozepur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 97-Zira assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thoreunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Malkiat Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/97/80(40)]
By order,

A. K. CHATTFRJEE, Under Secy. to the Election Commission of India.

आवेश

नर्ह दिल्ली, 18 विसम्बर, 1980

का० आ० 257:—केरल विधान सभा के जनवरी, 1980 में हुए साधारण निर्वाचन में 96-वार्डकोम (अ० जा०) निर्याचन-क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले एक अध्यर्थी श्री कुजंन कुजंन निवासी सज्बेनचेरिल हाऊस, पो० सचियोथापुरम, जिला कोइटायम, केरल राज्य को निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन उक्त अधिनियम और तद्धीन वनाए गए नियमों द्वारा यथा अपेक्षित अपने निर्वाचन ब्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रीति में दाखिल करने में ध्रसफल रहने का कारण ध्रमके तारील 24 अक्तुबर, 1980 के आदेश सं० केरल-वि०म०/96/80(43) के हारा निर्हित किया गया था;

श्रीर, उक्त श्री कुर्जन कुर्जन ने उनके ऊपर ग्रिधिरोपित निरहेंना को हटाने के लिए भारत निर्वाचन प्रायोग के समक्ष एक ग्रजीं दाखिल की है जिसमें उन्होंने विधि द्वारा ग्रोक्षित रीति में निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखित करतें में श्रमती ग्रम्भलना के कारण बताए हैं श्रीर प्रपनी बीमारी के समर्थन करने में एक चिकित्सा प्रमाण पद्म भी, जिस के कारण बहु उक्त सूचना में दी गर्द श्रवित्र के अन्दर अपने निर्वाचन व्ययों के लेखे में बुटियों का सुधार नहीं कर सके थे, दाखिल कर दिया है;

और, निर्वाचन भाषोग ने उक्त श्रभ्यावेदन पर विचार किया है;

भतः, अब, उक्त मधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त गर्कितयों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग ने मपने 18 दिसम्बर, 1980 के स्रादेश द्वारा सुन पर मिश्रिरोपित विस्तित की मालानिध प्राकृत उसती कर दी है जिल्ली की वह पहले ही भीग चुके हैं और ग्रनवासित कालायिन के लिए जनकी निर्फ्रता वारीक 19 दिसम्बर, 1980 से इटा की है।

]मं० केरल-वि०म०/96/80 (1)]

New Delhi, the 18th December, 1980

S.O. 257.-Whereas, Shri Kunjan Kunjan a resident of Mazhuvancheril House, Sachivothamapuram P.O., Kottayam District, Kerala State, who was a contesting candidate for election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980, from 96-Vaikom (SC) constituency was disqualified by the Election Commission vide its Order No. KL-LA/96/80(43) dated 24 October, 1980 under ection 10A of the Representation of the People Act, 1951, for failure to lodge the account of his election expenses in the manner required by the said Act and the Rules made thereunder;

And whereas, the said Shri Kunjan Kunjan has submitted a petition before the Election Commission of India praying for the removal of the disqualification imposed on him, giving the reasons for his failure to lodge the account of election expenses in the manner required by law and has also sub-mitted a medical certificate in support of his illness which prevented him from rectifying the defects within the notice

And whereas, the Election Commission has taken into account the said petition;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the said Act, the Election Commission has by an order dated the 18th December, 1980 reduced the period of disqualification imposed on Shri Kunjan Kunjan to the period of disqualification already suffered by him and removed the disqualification for the unexpired period with effect from 19th December, 1980.

[No. KL-LA/96/80(1)]

नई दिल्ली, 26 विसम्बर, 1980

का० आ० 258 .---लोक प्रतिनिधित्य घधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन ग्रायोग, राजस्थान सरकार के परामर्ण से श्री एच० सी० पान्डे के स्थान पर श्री ए० एन० संगटा, ग्राई० ए० एस० मचिव, राजस्थान सरकार, को उनके कार्यभार सम्भालने की नारीख से ग्रगले ब्रादेशों तक राजस्थान राज्य के मुख्य निर्वाचन प्रधिकारी के रूप में एतदक्षारा नामनिर्देणित करता है।

> [सं० 154/राजस्थान/४०] भ्रावेश से, वी० नागम्ब्रमण्यन, मन्त्र भारत निर्वाचन आयोग

New Delhi, the 26th December, 1980

S.O. 258.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Rajasthan hereby nominates Shri A. L. Roongta, Secretary to Govt, of Rajasthan as the Chief Electoral Officer for the State of Rajasthan with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri H. C. Pandey.

[No. 154/RJ/80] By orders, V. NAGASUBRAMANIAN, Secy. Election Commission of India

अविश

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1980

का० आर० 259 .- यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 85-अद्मबनचोला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने जाले

उम्मीदबार श्री केट एस*ः* पेनीलर, यहार्षश्चिम हाकम, रोस्थानाक्षा, यनाधि जासम पो० ग्रा० (वाया) मुख्वकडी (केरल) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं,

भ्रौर, यसः, उक्त उम्मीदवार ने, सस्यक सूचना दिये जाने पर भी भ्रमनी इस असफलना के लिए कोई कारण अथवा राप्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन ब्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रराफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायीचित्य नहीं है.

भ्रत: भ्रव, उतन भ्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री कें० एस० पेनीकर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस श्रावेश की नारीख में तीन वर्ष की काला-विधि के लिए सिर्गहित घोषित करता है।

[स० केरल-वि०म०/85/80 (51)]

ORDER

New Delhi, the 23rd December, 1980

S.O. 259.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. S. Panicker, Vattathundathil house, Sasthanada, Anavilasam P.O. (Via) Murukkady (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January. 1980 from 85-Udumbanchola Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. S. Panicker to be disqualified for being chosen as. and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/85/80(51)]

नर्ष्ट दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1980

का० आ० 260 .--यन:, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरल विधान सभा के लिए साधारण निवजिन के लिए 136-मिबेन्द्रम पूर्व निर्वाधन क्षेत्र से बनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री वी० हरिष्ट्रन मैयर, एडवोकेट, वासियास, ब्रिवेन्द्रम (केरस) लोक प्रसि-निधित्व प्रधिभियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में धमफल रहे है:

ग्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पप्टीकरण नही दिया **है, भ्रोर दिविचन श्रायोग** का यह भी समाधान हो गया है कि उसने पाल इस प्रस्-फलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है:

श्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निविधिन भायोग एसद्धारा उक्त श्री वी० हरिन्द्रन नैयर को संसद के किसी भी सदल के या किसी राज्य की विधान सभा श्रमवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस घादेश की वारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निरिष्टित घोषित करता है।

[सं० केरल-वि०स०/136/80(52)]

New Delhi, the 27th December, 1980

S.O. 260.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. Harcendran Nair, Advocate, Thaliyal, Trivandrum (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 136-Trivandrum East Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the Shri V. Hareendran Nair to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. KL-LA/136/80(52)]

का० था० 261 :---यत:, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए केरस विधान सभा के लिए साधारण निर्वा-चन के लिए 136-ज़िबेन्द्रम पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मी-दबार श्री बी॰ सदानाराजन, नेलपाल्लिबिलाकम, टी॰ सी॰ 50/666. इरानीमुद्रम पो० ग्रा०, तिवेन्द्रम-१ (केरल), लोक प्रतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तद धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में भ्रमफल रहे हैं:

भ्रौर, यतः, उक्त उम्मोदसवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर की भ्रपनी उस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है:

भतः श्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतदद्वारा उक्त श्री बी० सदानाराजन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस झावेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

> सिं० केरल-वि०स०/136/80(53)] श्रादेश से. धर्मवीर प्रवर समिव. भारत निर्वाचन ग्रायंग

S.O. 261.-Whereas the Election Commission is satisfied that Shri V. Sadanarajan, Nelpallivilakam, T.C. 50/666, Iranimuttam P.O., Trivandrum-9 (Kerala), a contesting candidate for general election to the Kerala Legislative Assembly held in January, 1980 from 136-Trivandrum East Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri V. Sadanarajan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

> [No. KL-LA/136/80(53)] By order. DHARAM VIR, Under Secy.

to the Election Commission of India.

गृह मंद्रालय सरदार बरलक्याई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकावनी

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1980

का० मा० 262 .--केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल के सहायक समादेष्टा श्री हरीण चन्दर सद ने प्रारंभिक तीन वर्ष की श्रवधि के लिए प्रतिनियक्ति पर सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी, हैदराबाद में सहायक निवेशक के पद का कार्यभार विनांक 23.12.1980 प्रपराहुन से संभासा ।

> [संख्या : 15013/80-स्थापना] बी० भार० लुथरा, निदेशक-प्रभारी

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Sardar Vallabhbhai Patel **National Police Academy**

Hyderabad, the 31st December, 1980

S.O. 262.—Shri Harish Chander Sood, an Assistant Commandant of the CRPF, assumed charge as Assistant Director in the SVP National Police Academy, Hyderabad, w.e. from 23-12-1980 FN. on transfer on deputation for a period of 3 years, in the first instance.

> [No. 15013/80-Estt.] B. R. LUΓHRA, Director Incharge